गुमनाराम बनाम जेहाराम
2025/27
निर्णय दिनांकः—31.07.2025

न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी—बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी —केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्याः— 2025/27 दर्ज तिथिः—30.01.2025

1. गुमनाराम दत्तक पुत्र वेहनाराम
2. अचलीदेवी पत्नी दलाराम
   जाति जाट निवासी खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

..................वादी

बनाम

1. जेहा पुत्र दूर्गा
2. खींया पुत्र दूर्गा
3. डालू पुत्र दूर्गा
4. दल्लाराम पुत्र देराजराम
5. तिला पुत्र तेजा
6. जोगाराम पुत्र गेनाराम
7. दीपिकादेवी पुत्री गेनाराम
8. लाधूदेवी पुत्री गेनाराम
9. वीरोंकुमारी पुत्री गेनाराम
10. सुगणी पत्नी जेहा
    जाति जाट निवासी खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

...............असल प्रतिवादीगण

11. शाखा प्रबन्धक RMGB शाखा सिणधरी
12. शाखा प्रबन्धक SBBJ शाखा सिणधरी
13. तहसीलदार नोखड़ा एवं उपपंजीयक नोखड़ा जिला बाडमेर

..............तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता
वादीः— श्री चिमनसिंह चौधरी
प्रतिवादीगणः— एक तरफा

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा— 53,188
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

गुमनाराम बनाम जेहाराम

2025 / 27

निर्णय दिनांकः–31.07.2025

&¼fu.k;½&

निर्णय तिथिः–31.07.2025

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा–53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम–1955 का बाबत घोषणा, तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा–53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम–1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 8 / 48.1598 है0 वाके ग्राम खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में वादीगण के हिस्से खुले हुए हैं तथा आराजी संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। यह विवादित आराजी अविभाजित है जिसका राजस्व रिकॉर्ड में अभी तक विधिक तकासमा नहीं हुआ है। असल प्रतिवादीगण वादीगण की उक्त हिस्सा आराजी के कुल कार्य काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करते हैं एवं जबरन लठ के बल कब्जा कर वादी को अपने हिस्सा आराजी से बेदखल कर निर्माण कार्य, दीगर लोगों रहन बैय मुन्तकिल करना चाहते है। अंत में वाद पत्र में उक्त विवादित आराजीयात का पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा किया जाकर कुर्रेजात कायम कराया जाकर अलग से खाता कायम कराया जाकर सहखातेदारों के लिए रास्ता कायम किया जाकर तकसीम शुदा आराजी का अमल राजस्व रिकॉर्ड में कराया जाकर वादी को तकसीम शुदा आराजी पर दखल दिलाया जाने का निवेदन किया गया।

2. वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादीगण बाद विधिवत तामील अनुपस्थित रहने के कारण एकतरफा कार्यवाही अमल में लायी गयी। तत्पश्चात प्रकरण में विद्वान अभिभाषक वादी की जिरह सुनी गई। विद्वान अभिभाषक वादी ने दौरान ए जिरह संयुक्त आराजी में से अपना खाता मुताबिक जमाबंदी पृथक कर बंटवारा किये जाने का निवेदन किया।

3. प्रकरण में अभिभाषक वादी द्वारा दौरान–ए–बहस बाई मिट्स एण्ड बाउण्डस बंटवारा किये जाने पर सहमति प्रदान करने पर प्रकरण में प्रारम्भिक डिक्री दिनांक 20.03.2025 को जारी की जाकर तहसीलदार नोखड़ा से कुर्रेजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम–1955 के नियम–18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट पर अभिभाषक वादी द्वारा सहमति प्रदान की तथा प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम–1955 के नियम–18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार हैः–

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields. *- The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.*	प्रकरण में दिनांक 30.06.2025 को तहसीलदार नोखड़ा द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपॉर्ट तैयार की गई।
प्रकरण में पक्षकारो को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपॉर्ट तैयार की गई।	1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील नोखड़ा के नोटिस पत्रांक 1239—50 दिनांक 13.06.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 30.06.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपॉर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील नोखड़ा के नोटिस पत्रांक 1239—50 दिनांक 13.06.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 30.06.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपॉर्ट तैयार की गई।

4. प्रकरण में वादी द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2076—2079 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपर्वूक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल आराजी खसरा संख्या 8/48.1598 हे0 वाके ग्राम खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रेजात रिपोर्ट पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन—प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा—ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

5. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ—साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 की धारा—188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार हैः—

> ***188. Injunction against wrongful ejectment—***
> *(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.*
> *(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-*
> *(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;*
> *(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;*
> *(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.*
> *(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.*

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 की धारा—188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा—188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारो की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान / अतिक्रमण किया जा रहा हो / किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न / अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 की धारा—188 की उपधारा—2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई हैः—

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे / होने वाले संभावित अतिक्रमण / व्यवधान / घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक / मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण / व्यवधान / घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई / क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत / संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण / व्यवधान / घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई / क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

7. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर वादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक—पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक—पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग—उपभोग बिना किसी

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक–पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग–उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक–पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग–उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता हैं।

8. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक–पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादी अन्तर्गत धारा–88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम–1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 8 / 48.1598 है0 वाके ग्राम खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा–ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वादी डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग–अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
अचलीदेवी पत्नी दलाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन–आरएमजीबी शाखा सिणधरी	खारिया खुर्द	8	2.6100	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 2.6100 है0				
गुमनाराम दत्तक पुत्र वेहनाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन–आरएमजीबी सिणधरी	खारिया खुर्द	8	6.5235	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 6.5235 है0				
दलाराम पुत्र देराजराम जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन–आरएमजीबी सिणधरी	खारिया खुर्द	8	3.1314	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 3.1314 है0				
तिला पुत्र तेजा हि0 52190 / 115687 लाधुदेवी पत्नी गेनाराम हि0 5219 / 231374 वीरोंकुमारी पुत्री गेनाराम हि0 5219 / 231374 जोगाराम पुत्र गेनाराम हि0 5219 / 231374	खारिया खुर्द	8 8 8	2.4000 13.2570 19.0491	बा0सो0 बा0सो0 बा0सो0

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

दीपीकादेवी पुत्री गेनाराम हि0 5219/231374 सुगणीदेवी पत्नी जेहाराम हि0 21745/115687 खीया पुत्र दुर्गा हि0 10438/115687 जेहा पुत्र दुर्गा हि0 10438/115687 डालू पुत्र दुर्गा हि0 10438/115687 जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन—जेहा का हि0 एसबीआई सिणधरी डालू का हि0 आरएमजीबी सिणधरी				
कुल किता 03 रकबा 34.7061 है0				
दलाराम पुत्र देराजराम हि0 1/4 तिला पुत्र तेजा हि0 1/2 खीया पुत्र दुर्गा हि0 1/4 जाति जाट सा0 देह खातेदार	खारिया खुर्द	8	1.1888	गै0मु0 रास्ता
कुल किता 01 रकबा 1.1888 है0 सार्वजनिक रास्ता प्रयोजनार्थ				

उक्तानुसार पक्षकारान अपने—अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक—पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार नोखड़ा को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना—अपना वहन करेगें।

यह निर्णय आज दिनांक 31.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुढामालानी—बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी–बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी –केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्याः– 2025 / 27 दर्ज तिथिः–30.01.2025

1. गुमनाराम दत्तक पुत्र वेहनाराम
2. अचलीदेवी पत्नी दलाराम
   जाति जाट निवासी खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

..................वादी

बनाम

1. जेहा पुत्र दूर्गा
2. खींया पुत्र दूर्गा
3. डालू पुत्र दूर्गा
4. दल्लाराम पुत्र देराजराम
5. तिला पुत्र तेजा
6. जोगाराम पुत्र गेनाराम
7. दीपिकादेवी पुत्री गेनाराम
8. लाधूदेवी पुत्री गेनाराम
9. वीरोंकुमारी पुत्री गेनाराम
10. सुगणी पत्नी जेहा
    जाति जाट निवासी खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

...............असल प्रतिवादीगण

11. शाखा प्रबन्धक RMGB शाखा सिणधरी
12. शाखा प्रबन्धक SBBJ शाखा सिणधरी
13. तहसीलदार नोखड़ा एवं उपपंजीयक नोखड़ा जिला बाडमेर

..............तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता
वादीः– श्री चिमनसिंह चौधरी
प्रतिवादीगणः– एक तरफा

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा– 53,188
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम–1955

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

गुमनाराम बनाम जेहाराम

2025/27

निर्णय दिनांकः—31.07.2025

—:पर्चा डिक्रीः—

दावा वादी अन्तर्गत धारा—88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 8/48.1598 है0 वाके ग्राम खारिया खुर्द तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा—ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वादी डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग—अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
अचलीदेवी पत्नी दलाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन—आरएमजीबी शाखा सिणधरी	खारिया खुर्द	8	2.6100	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 2.6100 है0				
गुमनाराम दत्तक पुत्र वेहनाराम जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन—आरएमजीबी सिणधरी	खारिया खुर्द	8	6.5235	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 6.5235 है0				
दलाराम पुत्र देराजराम जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन—आरएमजीबी सिणधरी	खारिया खुर्द	8	3.1314	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 3.1314 है0				
तिला पुत्र तेजा हि0 52190/115687 लाधुदेवी पत्नी गेनाराम हि0 5219/231374 वीरोंकुमारी पुत्री गेनाराम हि0 5219/231374 जोगाराम पुत्र गेनाराम हि0 5219/231374 दीपीकादेवी पुत्री गेनाराम हि0 5219/231374 सुगणीदेवी पत्नी जेहाराम हि0 21745/115687 खीया पुत्र दुर्गा हि0 10438/115687 जेहा पुत्र दुर्गा हि0 10438/115687 डालू पुत्र दुर्गा हि0 10438/115687 जाति जाट सा0 देह खातेदार रहन—जेहा का हि0 एसबीआई सिणधरी डालू का हि0 आरएमजीबी सिणधरी	खारिया खुर्द	8 8 8	2.4000 13.2570 19.0491	बा0सो0 बा0सो0 बा0सो0
कुल किता 03 रकबा 34.7061 है0				
दलाराम पुत्र देराजराम हि0 1/4 तिला पुत्र तेजा हि0 1/2 खीया पुत्र दुर्गा हि0 1/4	खारिया खुर्द	8	1.1888	गै0मु0 रास्ता

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested

जाति जाट सा0 देह खातेदार				
कुल किता 01 रकबा 1.1888 है0 सार्वजनिक रास्ता प्रयोजनार्थ				

उक्तानुसार पक्षकारान अपने–अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक–पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो।
खर्चा अपना–अपना वहन करेगें।

यह डिक्री आज दिनांक 31.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाई गई।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)
सहायक कलक्टर
गुढ़ामालानी–बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2025.08.04 20:27:01 IST
Reason: SelfAttested